लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 615

06 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र उद्योग के समक्ष आ रही प्रमुख चुनौतियां

615. श्री राजेन्द्र धेड्या गावितः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में वस्त्र उद्योग के निर्यातकों, विनिर्माताओं और कामगारों के समक्ष आ रही चुनौतियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने मंदी के दौरान वस्त्र व्यवसाय की सहायता के लिए कोई वित्तीय अथवा गैर-वित्तीय सहायता प्रदान की है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार ने वस्त्र क्षेत्र में कार्यबल के कौशल को बढ़ाने के लिए कोई कार्यक्रम और पहल शुरू की है और यदि हां, तो विगत दो वर्षों के दौरान शुरू किए गए कार्यक्रमों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) से (ग): भारत सरकार वस्त्र क्षेत्र के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कई योजनाएं/पहलें क्रियान्वित कर रही है। सरकार वस्त्र क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल (पीएम मित्र), निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, समर्थ – वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना, वस्त्र क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के वातावरण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम), वस्त्र मशीनरी को बढ़ावा देने के लिए टीयूएफएस, समावेशी रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के विकास के लिए सिल्क समग्र-2, कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस), वस्त्र क्षेत्र के विकास और उत्पादकता बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और कारीगरों और बुनकरों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) जैसी विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित कर रही है।

(घ) से (ङ) :वस्त्र क्षेत्र में कार्यबल के कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने एक व्यापक कौशल नीतिगत ढांचे के तहत समर्थ योजना तैयार की है। इस योजना का उद्देश्य मांग आधारित और रोजगार उन्मुख राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क कार्यक्रम प्रदान करना है ताकि के अनुरूप कौशल (एनएसक्यूएफ)संगठित वस्त्र क्षेत्र कताई और) उन्नयन प्रदान करने - क्षेत्रों में कौशल और कौशलमें नौकरियों का सृजन करने और पारंपरिक वस्त्र (बुनाई को छोड़कर में उद्योग के प्रयासों को प्रोत्साहित औरपूर्णता प्रदान की जा सके। पिछले दो वर्षों के दौरान राज्य-केंद्र शासित प्रदेश/ वार इस योजना के तहत लाभार्थियों का विवरण इस प्रकार है :

पिछले दो वर्षों के दौरान समर्थ के तहत लाभार्थियों का राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-वार विवरण।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	उत्तीर्ण कुल लाभार्थियों की संख्या
अण्डमान और निकोबार	41
आंध्र प्रदेश	3,799
अरुणाचल प्रदेश	57
असम	4,243
बिहार	2,221
चंडीगढ़	87
छत्तीसगढ़	1,382
दिल्ली	2,501
गोवा	29
गुजरात	5,421
हरियाणा	7,364
हिमाचल प्रदेश	235
जम्मू एंड कश्मीर	1,601
झारखण्ड	1,089
कर्नाटक	29,010
केरल	1,392
मध्य प्रदेश	2,889
महाराष्ट्र	5,853
मणिपुर	915
मेघालय	110
मिजोरम	311
नगालैंड	699
ओडिशा	3,598
पुदुचेरी	249
पंजाब	567
राजस्थान	5,273
सिक्किम	66
तमिलनाडु	30,971
तेलंगाना	4,456
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	1,107
त्रिपुरा	850
उत्तर प्रदेश	18,480
उत्तराखंड	405
पश्चिम बंगाल	1,329
कुल	**1,38,600**

****